# प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग

अधिगम आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा LOCFकेअनुरूप विश्वविद्यालय में भाषा, साहित्य एवं संस्कृति आधारित विभिन्न एम.ए. पाठ्यक्रमों हेतु विद्यार्थियों के लिए प्रवासन एवं डायस्पोरा के भाषायी, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पक्षों से संबंधितवैकल्पिक पाठ्यचर्याओं (ElectiveCourses) का विवरण

| सेमेस्टर | विकल्प समूह | कोड | पाठ्यचर्या का नाम | क्रेडिट | कुल क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|---|
| प्रथम/ द्वितीय | संस्कृति *(Culture)* | **MDE 01** | डायस्पोरा: इतिहास एवं निर्मिती *Diaspora: History & Construct* | 02 | 06 |
| | | **MDE 02** | भारतीय डायस्पोरा में सांस्कृतिक विविधता *Cultural Diversity in Indian Diaspora* | 04 | |
| तृतीय | साहित्य *(Literature)* | **MDE 03** | प्रवासन एवं डायस्पोरा: अवधारणा एवं स्वरूप *Migration & Diaspora: Concept & Pattern* | 02 | 06 |
| | | **MDE 04** | प्रवासी एवं डायस्पोरा साहित्य *Migration and Diaspora Literature* | 04 | |
| चतुर्थ | भाषा (Language) | **MDE 05** | प्रवासन एवं डायस्पोरा: अवधारणा एवं स्वरूप *Migration & Diaspora: Concept & Pattern* | 02 | 06 |
| | | **MDE 06** | भारतीय डायस्पोरा में भाषा *Language in Indian Diaspora* | 04 | |

## पाठ्यचर्या विवरण MDE 01

## Course Description

1. **पाठ्यचर्याका नाम** Name of the Course
   डायस्पोरा: इतिहास एवं निर्मिती
   *Diaspora: History & Construct*
2. **पाठ्यचर्याकाकोड: MDE04**
   *Code of the Course*
3. **क्रेडिट** Credit:02 (दो)
4. **सेमेस्टर** Semester:प्रथम

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान | 23 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 07 |
| व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | - |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | - |
| **कुल क्रेडिटघंटे** | 30 |

**5. पाठ्यचर्या विवरण:** (Description of Course)

इसपाठ्यचर्या के अंतर्गत प्रवासन एवं डायस्पोरा शब्दावली एवं अवधारणा के विभिन्न पक्षों से परिचित कराया जायेगा।विश्व की विभिन्न प्रवासन धाराओं एवं उनको संचालित करने वाले परिस्थितियों एवं कारकों सेभी परिचित हो पायेगा। साथ ही इन प्रवासन धाराओं के परिणामस्वरूप राष्ट्रराज्य के अंदर उपजे डायस्पोरा समुदाय के विभिन्न प्रकारों से भी विद्यार्थी को परिचित कराया जायेगा। विद्यार्थी भारतीय डायस्पोरा के गठन के ऐतिहासिक पक्ष एवं उसके वैश्विक विस्तार को भी जान सकेगा।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)**

1. अंतरराष्ट्रीय प्रवासन के विभिन्न स्वरूपों को समझ पाएंगे।
2. डायस्पोरा के सैद्धांतिक विकास को रेखांकित करपाएंगे।
3. राज्य के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक डायस्पोरा के विविध प्रकारों को समझ पाएंगे।
4. भारतीय डायस्पोरा के गठन के ऐतिहासिक पक्ष एवं उसके वैश्विक विस्तार की समझपाएंगे।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु Contents of the Course**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल | संवाद | | |
| मॉड्यूल-1 | प्रवासन: अर्थएवंप्रकार<br>प्रवासन की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि | 02 | | | 02 | 20% |
| मॉड्यूल-2 | प्रवासन एवं इतिहास | 02 | | 01 | 03 | |
| मॉड्यूल-3 | प्रवासी समूह एवं डायस्पोरा | 01 | समुदाय 01 | | 02 | |
| मॉड्यूल-4 | डायस्पोरा: अवधारणात्मक विकास | 02 | | 01 | 03 | 40% |
| मॉड्यूल-5 | पीड़ितडायस्पोरा:यहूदी,अफ्रीकी, आर्मेनियाई | 02 | | 01 | 03 | |
| | साम्राज्यवादीडायस्पोरा: पुर्तगाली, डच, ब्रिटिश, फ्रांसीसी, | 02 | | | 02 | |
| मॉड्यूल-6 | व्यापारिक डायस्पोरा: चीनी, लेबनानी, भारतीय | 02 | | | 02 | |
| मॉड्यूल-7 | विक्षेत्रीकृतडायस्पोरा: कैरिबियाई, सिंधी, पारसी, रोमा | 02 | क्षेत्रीयता Territoriality 01 | | 02 | |
| मॉड्यूल-8 | स्वतंत्रता पूर्व भारतीय प्रवासन | 02 | | | 02 | 40% |
| मॉड्यूल-9 | स्वतंत्रोतर काल मेंभारतीय प्रवासन | 02 | | 01 | 03 | |
| मॉड्यूल-10 | भारतीय डायस्पोरा की निर्मिती | 04 | | 01 | 05 | |
| **योग** | | **23** | **02** | **05** | **30** | **100** |

**8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:**
**(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)**

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | अंतरक्रियात्मक अध्ययन प्रणाली |
| **विधियाँ** | स्वतः अध्ययन हेतु पाठ उपलब्ध करवाना, अवाधारणात्मक मानचित्र, सामूहिक चर्चा-परिचर्चा, चयनित विषय पर सेमिनार |
| **तकनीक** | पी.डी.एफ, पी.पी.टी, वीडियो (दृश्य-श्रव्य माध्यम) |
| **उपादान** | संवाद, कक्षा व्याख्यान (ऑफ़लाइन एवं ऑनलाइन), ब्लेंडेड मोड |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
## (Course Learning Outcome Matrix)

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 |
|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | विषय बोध | अंतर-अनुशासनिक समझ |

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा(75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
## (Textbooks/Reference/Resources)

| **क्र. सं.** | **पाठ्य-सामग्री** | **विवरण (APA प्रारूप में)** |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | • कोहेन, राबिन. 1997. ग्लोबल डायस्पोरा: एन इंट्रोडक्शन. यूनिर्वसिटी ऑफ वाशिंग्टन प्रेस |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | • आर्मस्ट्रांग, जॉन ए. 1976 'मोबलाइज्ड एंड प्रोलिटेरियन डायस्पोराज', अमेरिकन पॉलिटिकल |

| | | |
|---|---|---|
| | | साइंस रिव्यू, वॉल्यूम 70, नं. 2, पृष्ठ 393-408<br>• बार्थ, फ्रेडरिक. 1969 'इंट्रोडक्शन', इन फ्रेडरिक बार्थ (संपा.) एथनिक ग्रुप्स एंड बाउंड्रीज: द सोशल आर्गनाइज़ेशन ऑफ कल्चरल डिफरेंस, जार्ज ऐलेन एंड अनवीन, पृष्ठ 9- 38<br>• ब्रुबेकर, रोजर्स. 2005. "द 'डायस्पोरा' डायस्पोरा''. एथनिक एंड रेसियल स्टडीज, अंक 28 नं. जनवरी, 2005. पृष्ट 1-19<br>• कस्टेल, स्टीफेन एंड मिलर, मार्क जे. 1998. द एज ऑफ माइग्रेशन: इंटरनेशनल पापुलेशन मूवमेंट इन द माडर्न वर्ल्ड, न्यूयार्क : द गल्फोंड प्रेस<br>• क्लिफोर्ड, जेम्स 1994 ' डायस्पोरा', कल्चरल एंथ्रोपॉलोजी, वॉल्यूम 9, नं. 3, पृष्ठ 302 – 38 |
| 3 | ई-संसाधन | • यूट्यूब एवं इंटरनेट पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री |
| 4 | अन्य | • विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए हिंदी में अनुवादित विभिन्न लेख |

# पाठ्यचर्या विवरण MDE 02

## Course Description

**1. पाठ्यचर्याका नाम Name of the Course:**

भारतीय डायस्पोरा में सांस्कृतिक विविधता

*Cultural Diversity in Indian Diaspora*

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान | 47 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 13 |
| व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिटघंटे** | 60 |

**2. पाठ्यचर्या का कोड Code of the Course**

**MDE 02**

**3. क्रेडिटCredit: 04**

**4. सेमेस्टरSemester:** प्रथम

**5. पाठ्यचर्या विवरण** Description of Course

इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत विद्यार्थी को विश्व के विभिन्न देशों में रह रहे भारत के प्रवासीएवं डायस्पोरा समुदायों द्वारा प्रदर्शित की जा रही सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराया जायेगा। इस पाठ्यचर्या का अध्ययन करने पर विद्यार्थी भारतीय डायस्पोरा की विविधतापूर्ण संस्कृतियों की निरंतरता को भारतीय संस्कृति की सापेक्षता में समझ सकेगा।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: Course Learning Outcomes**

इस पाठ्यचर्या का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी:

क. भारत के प्रवासी एवं डायस्पोरा समुदायों की सांस्कृतिक विविधता एवं उसकी बनावट कोसमझ पाएंगे।

ख. भारतीय डायस्पोरा समुदायों में परंपरा और परिवर्तन को समझ सकेंगे।

ग. बहुसांस्कृतिक परिस्थितियों में डायस्पोरा समुदायों के समायोजन से परिचित हो पाएंगे।

घ. प्रवासी एवं डायस्पोरा समूहों की संस्कृति को भारतीय संस्कृति की सापेक्षता में समझ विश्लेषित कर सकेंगे।

## 7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल | संवाद | | |
| मॉड्यूल-1 | **संस्कृति एवं समाज:अवधारणा** | 02 | | | 02 | 25% |
| मॉड्यूल-2 | सांस्कृतिक विविधता की समझ एवं बहुसांस्कृतिकता | 02 | | | 02 | |
| मॉड्यूल-3 | सांस्कृतिक प्रसरण एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया: स्वसंस्कृतिग्रहण एवं परसंस्कृतिग्रहण | 02 | भारतीय संस्कृति 01 | | 03 | |
| मॉड्यूल-4 | सामाजिक संपर्क एवं सामाजिक प्रक्रियाएं | 03 | | 01 | 04 | |
| मॉड्यूल-5 | समांगीकरण सिद्धांत मेल्टिंग पॉट एवं सलाद बाउल | 03 | | 01 | 04 | |
| | | | | | | |
| मॉड्यूल-6 | भारतीय डायस्पोरा में विविध पहचान | 02 | | | 02 | 25% |
| मॉड्यूल-7 | भारतीय डायस्पोरा में पहचान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि | 02 | प्रवासी इतिहास 01 | | 03 | |
| मॉड्यूल-8 | भारतीय डायस्पोरा में पहचान का समकालीन परिदृश्य | 02 | | | 02 | |
| मॉड्यूल-9 | भारतीय डायस्पोरा में अधिरोपित पहचान | 02 | पहचान 01 | | 03 | |
| मॉड्यूल-10 | भारतीय डायस्पोरा में स्वमान्य पहचान | 02 | उपनिवेश 01 | | 03 | |
| मॉड्यूल-11 | भारतीय डायस्पोरा में योजक चिह्न आधारित पहचान | 02 | | | 02 | |
| | | | | | | |
| मॉड्यूल-12 | **भारतीय डायस्पोरा की क्षेत्रीय प्रवृत्तियां**<br>भोजपुरी डायस्पोरा<br>गुजराती डायस्पोरा<br>पंजाबी डायस्पोरा<br>तमिल डायस्पोरा | 05 | | 01 | 07 | 25% |
| मॉड्यूल-13 | भारतीय डायस्पोरा में अन्य क्षेत्रीय पहचान | 02 | | 01 | 03 | |
| मॉड्यूल-14 | भारतीय डायस्पोरा का धार्मिकपहचान | 04 | | 01 | 05 | |
| | | | | | | |
| मॉड्यूल- 15 | **भारतीय डायस्पोरा संबंध**<br>• भारतीय डायस्पोरा और भारतीयेतर समुदायों के मध्य अंतर-संबंध<br>• भारतीय डायस्पोरा और प्रवासी भारतीय | 03 | महत्वपूर्ण अन्य की अवधारणा 01 | 01 | 05 | 25% |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | समुदायों के मध्य अंतर-संबंध | | | | | |
| मॉड्यूल- 16 | **भारतीय डायस्पोरा की चुनौतियां, संघर्ष एवं जोखिम**<br>• मारीशस<br>• फिजी<br>• त्रिनिदाद<br>• संयुक्त राष्ट्र अमेरिका | 04 | जोखिम Vulnera bility 01 | 01 | 06 | |
| मॉड्यूल- 17 | भारतीय डायस्पोरा: मनोवैज्ञानिक, वैवाहिकऔरसामाजिक संबंध | 02 | | 01 | 04 | |
| | | | | | | |
| **योग** | | **47** | **06** | **07** | **60** | **100** |

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:
## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| अभिगम | अंतरक्रियात्मक अध्ययन प्रणाली |
| विधियाँ | स्वतः अध्ययन हेतु पाठ उपलब्ध करवाना, अवाधारणत्मक मानचित्र, सामूहिक चर्चा-परिचर्चा, चयनित विषय पर सेमिनार |
| तकनीक | पी.डी.एफ, पी.पी.टी, वीडियो (दृश्य-श्रव्य माध्यम) |
| उपादान | संवाद, कक्षा व्याख्यान (ऑफ़लाइन एवं ऑनलाइन) ब्लेंडेड मोड |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 |
|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | वैश्विक समाज बोध | तुलनात्मक सांस्कृतिक विवेक | सांस्कृतिक विश्लेषण की क्षमता |

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा(75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | मूल्यांकन | | | | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

## (Textbooks/Reference/Resources)

| क्र. सं. | पाठ्य-सामग्री | विवरण (APA प्रारूप में) |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | ● जोशी, रामशरण, 2014. भारतीय डायस्पोरा के विविध आयाम. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | ● कोहेन, राबिन. 1997.ग्लोबल डायस्पोरा: एन इंट्रोडक्शन. यूनिर्वसिटी ऑफ वाशिंग्टन प्रेस.<br>● मिश्रा, विजय. 2007. द लिटरेचर ऑफ द इंडियन डायस्पोरा थिओरिजिंग द डायस्पोरा इमेजनरी', प्रथम संस्करण, रूटस् पब्लिकेशन्स, यूएसए (अमेरिका)।<br>● लाल, बृज. वी. 2006) , द इनसाइक्लोपीडिया ऑफ द इंडियन डायस्पोरा, पेरिस एडिशन डीडीयर,सिंगापुर.<br>● वर्मा, विमलेशकांति; सक्सेना, भावना, 2015 . सूरीनाम का सृजनात्मक हिन्दी साहित्य. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.<br>● पुष्पिता, अवस्थी. 2003) . कविता सूरीनाम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.<br>● पुष्पिता, अवस्थी, 2003 , कथा सूरीनाम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.<br>● सिन्हा, उषा 2009, . निर्वासन और समकालीन उपन्यास, लक्ष्मी प्रकाशन, नई दिल्ली.<br>● सत्येन्द्र ,पीरथुम, न्यूजलेटर, 2 नवंबर, 2013 (संख्या 11),आप्रवासी घाट ट्रस्ट फंड द्वारा प्रकाशित. |
| 3 | ई-संसाधन | ● http://www.everyculture.com/ma-ni/mauritius.html<br>● http:/www.brandbharat.com/hindi/literature/amit_sharma/bharat_parivar.html)<br>● यूट्यूब एवं इंटरनेट पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री |
| 4 | अन्य | विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए हिंदी में अनुवादित विभिन्न लेख |

# पाठ्यचर्या विवरण MDE 03

## Course Description

**4. पाठ्यचर्याका नाम Name of the Course:**
प्रवासन एवं डायस्पोरा : अवधारणा एवं स्वरूप
Migration and Diaspora: Concept and Pattern

**5. पाठ्यचर्याकाकोडCode of the Course**
**MDE 03**

**6. क्रेडिटCredit: 02**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान | 20 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 10 |
| व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिटघंटे** | 30 |

**4. सेमेस्टर Semester: तृतीय**

**5. पाठ्यचर्या विवरण:** Description of Course

इसपाठ्यचर्या के तहत प्रवासन के विभिन्न स्वरूपों एवं उसके कारण उभरने वाले डायस्पोरा समुदायों के बारे में बताया जाएगा। भारतीय डायस्पोरा के गठन के ऐतिहासिक पक्ष एवं उसके वैश्विक विस्तार से परिचित कराया जाएगा।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)**

1. प्रवासन के विभिन्न स्वरूपों एवं उसके कारण उभरने वाले समुदायों को समझ पाएंगे।
2. वैश्विक डायस्पोरा के विविध प्रकारों से परिचित हो पाएंगे।
3. भारतीय डायस्पोरा के गठन के ऐतिहासिक पक्ष एवं उसके वैश्विक विस्तार को समझ सकेंगे।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु** (Contents **of the** Course)

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल | संवाद | | |
| मॉड्यूल-1 | प्रवासन: अर्थ एवं परिभाषा | 01 | | 01 | 02 | **30%** |
| मॉड्यूल-2 | प्रवासन के प्रकार<br>अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन<br>अप्रमाणिक और अवैधानिक प्रवासन<br>पीड़ितऔर विपत्तिग्रस्त प्रवासन | 02 | राष्ट्र राज्य की अवधारणा 01 | | 03 | |
| मॉड्यूल-3 | शरणार्थी और आश्रय खोजकर्ता | 01 | | | 01 | |
| मॉड्यूल-4 | श्रमिक प्रवासी: अकुशल एवं अर्धकुशल कौशल प्रवासन | 02 | ब्रेन ड्रेन की घटना 01 | | 03 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| मॉड्यूल-6 | डायस्पोरा: अर्थ,परिभाषा और प्रकार | 02 | | 01 | 03 | **70%** |
| मॉड्यूल-7 | पीड़ित: यहूदी, अफ़्रीकी, आर्मेनियाई | 02 | | 01 | 03 | |
| मॉड्यूल-8 | साम्राज्यवादी: ब्रिटिश | 02 | | 01 | 03 | |
| मॉड्यूल-9 | व्यापारी: चीनी, लेबनानी | 02 | | 01 | 03 | |
| मॉड्यूल-10 | विक्षेत्रीकृत: कैरिबियाई, सिंधी, पारसी, रोमा | 02 | | 01 | 03 | |
| मॉड्यूल-11 | **भारतीय प्रवासन की परंपरा एवं डायस्पोरा**<br>पूर्व-औपनिवेशिक काल<br>औपनिवेशिक काल<br>स्वतंत्रोत्तर काल<br>वैश्वीकरण युग | 04 | भारतीय इतिहास की रूपरेखा 02 | | 06 | |
| **योग** | | 20 | 04 | 06 | 30 | 100 |

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:
## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | अंतरक्रियात्मक अध्ययन प्रणाली |
| **विधियाँ** | स्वतः अध्ययन हेतु पाठ उपलब्ध करवाना<br>सामूहिक चर्चा-परिचर्चा, चयनित विषय पर सेमिनार |
| **तकनीक** | पी.डी.एफ, पी.पी.टी, वीडियो (दृश्य-श्रव्य माध्यम) |
| **उपादान** | संवाद, कक्षा व्याख्यान (ऑफ़लाइन एवं ऑनलाइन) ब्लेंडेड मोड |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
## (Course Learning Outcome Matrix)

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 |
|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | विषय बोध | अंतर-अनुशासनिक समझ |

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (25%) | | | | | सत्रांत परीक्षा(75%) |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
## (Textbooks/Reference/Resources)

| क्र. सं. | पाठ्य-सामग्री | विवरण (APA प्रारूप में) |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | • कोहेन, राबिन. 1997 ग्लोबल डायस्पोरा: एन इंट्रोडक्शन, सेटल,: यूनिर्वसिटी ऑफ वाशिंग्टन प्रेस. |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | • आर्मस्ट्रांग, जॉन ए. 1976 'मोबलाइज्ड एंड प्रोलिटेरियन डायस्पोराज', अमेरिकन पॉलिटिकल साइंस रिव्यू, वॉल्यूम 70, नं. 2, पृष्ठ 393-408.<br>• बार्थ, फ्रेडरिक. 1969 'इंट्रोडक्शन', इन फ्रेडरिक बार्थ (संपा.) एथनिक ग्रुप्स एंड बाउंड्रीज: द सोशल आर्गनाइज़ेशन ऑफ कल्चरल डिफरेंस, जार्ज ऐलेन एंड अनवीन, पृष्ठ 9- 38.<br>• ब्रुबेकर, रोजर्स. 2005. "द 'डायस्पोरा' डायस्पोरा''. एथनिक एंड रेसियल स्टडीज, अंक 28 नं. जनवरी, 2005. पृष्ट 1-19.<br>• कस्टेल, स्टीफेन एंड मिलर, मार्क जे. 1998. द एज ऑफ माइग्रेशन: इंटरनेशनल पापुलेशन मूवमेंट इन द माडर्न वर्ल्ड, न्यूयार्क : द गल्फोंड प्रेस .<br>• क्लिफोर्ड, जेम्स 1994 'डायस्पोरा', कल्चरल एंथ्रोपॉलोजी, वॉल्यूम 9, नं. 3, पृष्ठ 302 – 38 . |
| 3 | ई-संसाधन | यूट्यूब एवं इंटरनेट पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री |
| 4 | अन्य | विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए हिंदी में अनुवादित विभिन्न लेख |

# पाठ्यचर्या विवरण MDE 04

## Course Description

1. **पाठ्यचर्याका नाम:** प्रवासी एवं डायस्पोरा साहित्य

**Name of the Course:** Migration and Diaspora Literature

**2.पाठ्यचर्याकाकोड: MDE04**

Code of the Course

**3.क्रेडिट** Credit:04 (चार)

4. **सेमेस्टर** Semester: तृतीय

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान | 58 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 02 |
| व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | - |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिटघंटे** | 60 |

**5. पाठ्यचर्या विवरण**Description of Course

इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत विद्यार्थी को प्रवासी एवं डायस्पोरा समूहों विशेषकर प्रवासी भारतीय एवं डायस्पोरा समूहों द्वारा रचे जा रहे साहित्य एवं उनकी सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमिसे परिचय कराया जायेगा। पाठ्यचर्या के अंतर्गत भारतीय डायस्पोरा से संबंधित कुछ चयनित रचनाओं एवं उनके अंशों का समीक्षात्मक अध्ययन कराया जायेगा।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: Course Learning Outcomes**

इसपाठ्यचर्या के पूर्ण होने के बाद विद्यार्थी:

क. इतिहास बोध के माध्यम से अभिव्यक्ति परंपरा और परिवर्तन को समझ सकेंगे।

ख. बहुसांस्कृतिक परिस्थितियों में स्वभूमि और इससे इतर प्रवासी एवं डायस्पोरा अनुभव से संबंधित साहित्य को जान सकेंगे।

ग. प्रवासी एवं डायस्पोरा साहित्य के विस्तार को समझ पाएँगे।

घ. प्रवासी एवं डायस्पोरा साहित्यके विषयवस्तुकोसमझ सकेंगे।

ङ. प्रवासी साहित्य के पाठ आधारित समझ विकसित हो सकेगी।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल | संवाद | | |
| मॉड्यूल-1 | प्रवासी एवं डायस्पोरा : इतिहास एवं समाज<br>• स्वभूमि एवं गंतव्य भूमि<br>• प्रवासन अवधारणा<br>• डायस्पोरा अवधारणा | 03 | इतिहास बोध 01 | | 05 | **25%** |
| मॉड्यूल-2 | • प्रवासन का इतिहास<br>• साहित्य बोध में इतिहास | 02 | | | 02 | |
| मॉड्यूल-3 | • बहुसंस्कृतिवाद | 02 | समाज की | | 03 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | • बहुसांस्कृतिक समाज में पहचान | | अवधारणा 01 | | | |
| मॉड्यूल-4 | • भारतीय संदर्भ में प्रवास<br>• प्रवासी भारतवंशी समाज<br>• भारतीय डायस्पोरा समाज | 03 | | | 03 | |
| मॉड्यूल-5 | • दोहरा प्रवासन: अवधारणा<br>• बहुल स्वभूमि | 02 | | | 02 | |
| | | | | | | |
| मॉड्यूल-6 | • कैरीबियाई क्षेत्र का परिचय<br>• कैरीबियाई देशों में भारतीय लोगों का आगमन<br>• कैरीबियाई देशों का बहुभाषिक समाज<br>• कैरीबियाई देशों में प्रवासी साहित्य सृजन | 05 | | 01 | 06 | |
| मॉड्यूल-7 | • प्रशांत क्षेत्र का परिचय<br>• प्रशांत क्षेत्रमें भारतीयोंलोगों का आगमन प्रशांत क्षेत्र का बहुभाषिक समाज<br>• प्रशांत क्षेत्र का प्रवासी साहित्य | 05 | | 01 | 06 | |
| मॉड्यूल-8 | • हिंद महासागर क्षेत्र का परिचय<br>• हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय लोगोंका आगमन<br>• हिंद महासागर क्षेत्रका बहुभाषिक समाज<br>• हिंद महासागर क्षेत्र में प्रवासी साहित्य सृजन | 05 | | 01 | 06 | |
| मॉड्यूल-9 | • अमेरिकी महाद्वीप का परिचय<br>• अमेरिकीमहाद्वीपमें भारतीय लोगों का आगमन<br>• अमेरिकी महाद्वीप का बहुभाषिक समाज एवं प्रवासी साहित्य | 04 | | 01 | 05 | |
| मॉड्यूल-10 | • यूरोप में साहित्य परिचय<br>• यूरोप मेंभारतीयों लोगों का आगमन<br>• यूरोप में बहुभाषिक समाज एवं साहित्य | 04 | | 01 | 05 | **50%** |
| मॉड्यूल-11 | • फ्रांसीसी भाषी (फ्रेंकोफोन) क्षेत्र का परिचय<br>• फ्रेंकोफोन क्षेत्र में भारतीय लोगों का आगमन<br>• फ्रेंकोफोनक्षेत्र: बहुभाषिक समाज एवं साहित्य | 02 | | | 02 | |
| | | | | | | |
| मॉड्यूल-12 | स्वभूमि का साहित्य (पाठ)<br>• प्रवासी लोकगीत<br>• बिदेशिया (भिखारी ठाकुर)<br>• कथा साहित्य: शूद्रा (प्रेमचंद)<br>• पहला गिरमिटिया (गिरिराज किशोर) | 04 | | 01 | 05 | **25%** |
| मॉड्यूल-13 | गंतव्यभूमि का हिंदी साहित्य (पाठ)<br>गंतव्यभूमि के चयनित प्रवासी लोकगीत<br>क. मॉरीशस<br>ख. फ़िजी | 04 | | 01 | 05 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | ग. सूरीनाम<br>**चयनित चार कविताएं**<br>क. मॉरीशस: सउरी के दिन ( हीरालाल लीलाधर)<br>ख. सूरीनाम:आज़ा के याद में (जीत नराइन)<br>ग. अमेरिका: विष बीज (कविता वाचक्नवी)<br>घ. ब्रिटेन: रेत में तूफ़ान (नीना पॉल)<br>**कथा साहित्य**<br>• डउका पुरान (सुब्रमनी)<br>• लाल पसीना (अभिमन्यु अनत)<br>• मोरचे (सुषम बेदी)<br>**संस्मरण/जीवनी/आत्मकथा**<br>• फ़िजी द्वीप में मेरे 21 वर्ष (तोताराम सनाढ्य) | | | | | |
| मॉड्यूल-14 | **प्रवासी अंग्रेजी साहित्य (पाठ)**<br>• जहाजिन (पेग्गी मोहन)<br>• सी ऑफ पॉपीज़ (अमिताभ घोष)<br>• द नेमसेक(झुम्पा लाहिरी) | 03 | | | 03 | |
| मॉड्यूल- 15 | फ्रांसीसी प्रवासी साहित्य(पाठ)<br>• गिरमिटिया केंद्रित चयनित कविताएं<br>• अन्य लिखित पाठ अंश | 02 | | | 02 | |
| **योग** | | **53** | **02** | **07** | **60** | **100** |

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:
## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| अभिगम | अंतरक्रियात्मक अध्ययन प्रणाली |
| विधियाँ | स्वतः अध्ययन हेतु पाठ उपलब्ध करवाना, अवाधारणत्मक मानचित्र, सामूहिक चर्चा-परिचर्चा, चयनित विषय पर सेमिनार |
| तकनीक | पी.डी.एफ, पी.पी.टी, वीडियो (दृश्य-श्रव्य माध्यम) |
| उपादान | संवाद, कक्षा व्याख्यान (ऑफ़लाइन एवं ऑनलाइन) ब्लेंडेड मोड |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
## (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 |
|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम | प्रवासी समाज बोध | तुलनात्मक | विवेचनात्मक क्षमता |

| | | | |
|---|---|---|---|
| परिणाम की प्राप्ति | | साहित्य बोध | |

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (25%) | | | | | सत्रांत परीक्षा(75%) |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
## (Textbooks/Reference/Resources)

| क्र. सं. | पाठ्य-सामग्री | विवरण (APA प्रारूप में) |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | ● गोयनका, कमल किशोर. (2015). प्रवासी साहित्य जोहान्सबर्ग से आगे. विदेश मंत्रालय,भारत सरकार, नई दिल्ली. |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | ● कोहेन, राबिन.1997.ग्लोबल डायस्पोरा: एन इंट्रोडक्शन. यूनिर्वसिटी ऑफ वाशिंग्टन प्रेस<br>● मिश्रा, विजय ,2007. द लिटरेचर ऑफ द इंडियन डायस्पोरा थिओरिजिंग द डायस्पोरा इमेजनरी', प्रथम संस्करण, रूटस् पब्लिकेशन्स, यूएसए (अमेरिका) .<br>● लाल, बृज. वी, ,2006. , द इनसाइक्लोपीडिया ऑफ द इंडियन डायस्पोरा, पेरिस एडिशन डीडीयर,सिंगापुर.<br>● वर्मा, विमलेश कांति, 2016. प्रवासी भारतीय हिंदी साहित्य, भारतीय ज्ञान पीठ , दिल्ली<br>● वर्मा, विमलेश कांति, सक्सैना भावना, 2015, सूरीनाम का सृजनात्मक हिंदी साहित्य, राधा कृष्ण , प्रकाशन, नई दिल्ली.<br>● पुष्पिता,अवस्थी. 2003. कविता सूरीनाम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.<br>● पुष्पिता,अवस्थी, 2003. कथा सूरीनाम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.<br>● सिन्हा, उषा 2009. निर्वासन और समकालीन उपन्यास, लक्ष्मी प्रकाशन, नई दिल्ली.<br>● सत्येन्द्र ,पीरथुम, न्यूज़लेटर, 2 नवंबर, 2013 (संख्या 11),आप्रवासी घाट ट्रस्ट फंड द्वारा प्रकाशित।<br>● अखिलेश, 2014, निर्वासन, राजकमल प्रकाशन, प्रथम संस्करण, नई दिल्ली.<br>● धुरंधर रामदेव, 2015, पथरीला सोना,प्रथम खंड,संशोधित संस्करण, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली. |
| 3 | ई-संसाधन | ● http://www.everyculture.com/ma-ni/mauritius.html |

| | | |
|---|---|---|
| | | • http:/www.brandbharat.com/hindi/literature/amit_sharma/bharat_parivar.html)<br>• यूट्यूब एवं इंटरनेट पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री |
| 4 | अन्य | विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए हिंदी में अनुवादित विभिन्न लेख |

# पाठ्यचर्या विवरण MDE 05

## Course Description

## ( MDE 03 की ही भांति)

**1. पाठ्यचर्याका नाम Name of the Course:**

प्रवासन एवं डायस्पोरा : अवधारणा एवं स्वरूप

Migration and Diaspora: Concept and Pattern

**2. पाठ्यचर्या का कोड Code of the Course MDE 05**

**3. क्रेडिटCredit: 02**

**4. सेमेस्टर Semester: चतुर्थ**

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान | 20 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 10 |
| व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिटघंटे** | 30 |

**5. पाठ्यचर्या विवरण:** Description of Course

इसपाठ्यचर्या के तहत प्रवासन के विभिन्न स्वरूपों एवं उसके कारण उभरने वाले डायस्पोरा समुदायों के बारे में बताया जाएगा।भारतीय डायस्पोरा के गठन के ऐतिहासिक पक्ष एवं उसके वैश्विक विस्तार को बयाया जाएगा॥

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

**(Course Learning Outcomes)**

5. प्रवासन के विभिन्न स्वरूपों एवं उसके कारण उभरने वाले समुदायों को समझ पाएंगे॥
6. वैश्विक डायस्पोरा के विविध प्रकारों को समझ सकेंगे।
7. भारतीय डायस्पोरा के गठन के ऐतिहासिक पक्ष एवं उसके वैश्विक विस्तार की समझ सकेंगे।

**8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल | संवाद | | |
| मॉड्यूल-1 | प्रवासन: अर्थ एवं परिभाषा | 01 | | 01 | 02 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| मॉड्यूल-2 | प्रवासन के प्रकार<br>अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन<br>अप्रमाणिक और अवैधानिक प्रवासन<br>पीड़ितऔर विपत्तिग्रस्त प्रवासन | 02 | राष्ट्र राज्य की अवधारणा 01 | | 03 | **30%** |
| मॉड्यूल-3 | शरणार्थी और आश्रय खोजकर्ता | 01 | | | 01 | |
| मॉड्यूल-4 | श्रमिक प्रवासी: अकुशल एवं अर्धकुशल कौशल प्रवासन | 02 | ब्रेन ड्रेन की घटना 01 | | 03 | |
| | | | | | | |
| मॉड्यूल-6 | डायस्पोरा: अर्थ,परिभाषा और प्रकार | 02 | | 01 | 03 | **70%** |
| मॉड्यूल-7 | पीड़ित: यहूदी, अफ्रीकी, आर्मेनियाई | 02 | | 01 | 03 | |
| मॉड्यूल-8 | साम्राज्यवादी: ब्रिटिश | 02 | | 01 | 03 | |
| मॉड्यूल-9 | व्यापारी: चीनी, लेबनानी | 02 | | 01 | 03 | |
| मॉड्यूल-10 | विक्षेत्रीकृत: कैरिबियाई, सिंधी, पारसी, रोमा | 02 | | 01 | **03** | |
| मॉड्यूल-11 | **भारतीय प्रवासन की परंपरा एवं डायस्पोरा**<br>पूर्व-औपनिवेशिक काल<br>औपनिवेशिक काल<br>स्वतंत्रोत्तर काल<br>वैश्वीकरण युग | 04 | भारतीय इतिहास की रूपरेखा 02 | | 06 | |
| **योग** | | 20 | 04 | 06 | 30 | 100 |

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:
## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | अंतरक्रियात्मक अध्ययन प्रणाली |
| **विधियाँ** | स्वतः अध्ययन हेतु पाठ उपलब्ध करवाना<br>सामूहिक चर्चा-परिचर्चा, चयनित विषय पर सेमिनार |
| **तकनीक** | पी.डी.एफ, पी.पी.टी, वीडियो (दृश्य-श्रव्य माध्यम) |
| **उपादान** | संवाद, कक्षा व्याख्यान (ऑफ़लाइन एवं ऑनलाइन) ब्लेंडेड मोड |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
## (Course Learning Outcome Matrix)

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| पाठ्यक्रम लक्ष्य | लक्ष्य1 | लक्ष्य 2 |
|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | विषय बोध | अंतर-अनुशासनिक समझ |

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| आतंरिक मूल्यांकन (25%) | | | | | सत्रांत परीक्षा(75%) |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
## (Textbooks/Reference/Resources)

| क्र. सं. | पाठ्य-सामग्री | विवरण (APA प्रारूप में) |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | • कोहेन, राबिन. 1997 ग्लोबल डायस्पोरा: एन इंट्रोडक्शन, सेटल,: यूनिर्वसिटी ऑफ वाशिंग्टन प्रेस. |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | • आर्मस्ट्रांग, जॉन ए. 1976 'मोबलाइज्ड एंड प्रोलिटेरियन डायस्पोराज', अमेरिकन पॉलिटिकल साइंस रिव्यू, वॉल्यूम 70, नं. 2, पृष्ठ 393-408.<br>• बार्थ, फ्रेडरिक. 1969 'इंट्रोडक्शन', इन फ्रेडरिक बार्थ (संपा.) एथनिक ग्रुप्स एंड बाउंड्रीज: द सोशल आर्गनाइज़ेशन ऑफ कल्चरल डिफरेंस, जार्ज ऐलेन एंड अनवीन, पृष्ठ 9- 38.<br>• ब्रुबकर, रोजर्स. 2005. "द 'डायस्पोरा' डायस्पोरा''. एथनिक एंड रेसियल स्टडीज, अंक 28 नं. जनवरी, 2005. पृष्ट 1-19.<br>• कस्टेल, स्टीफेन एंड मिलर, मार्क जे. 1998. द एज ऑफ माइग्रेशन: इंटरनेशनल पापुलेशन मूवमेंट इन द माडर्न वर्ल्ड, न्यूयार्क : द गल्फोंड प्रेस<br>• क्लिफोर्ड, जेम्स 1994 ' डायस्पोरा', कल्चरल एंथ्रोपॉलोजी, वॉल्यूम 9, नं. 3, पृष्ठ 302 – 38 . |
| 3 | ई-संसाधन | • यूट्यूब एवं इंटरनेट पर उपलब्धअध्ययन सामग्री |

| | | |
|---|---|---|
| 4 | अन्य | • विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए हिंदी में अनुवादित विभिन्न लेख |

## पाठ्यचर्या विवरण MDE06

| घटक | घंटे |
|---|---|
| कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान | 50 |
| ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा | 00 |
| व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य | 10 |
| कौशल विकास गतिविधियाँ | |
| **कुल क्रेडिटघंटे** | 60 |

**1. पाठ्यचर्याका नामName of the Course**

भारतीय डायस्पोरा में भाषा Language in Indian Diaspora

**2.** पाठ्यचर्या का कोड Code of the Course:MDE06

3. क्रेडिट Credit: 04

4. सेमेस्टर Semester: चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

भारतीय डायस्पोरा का फैलाव और विकास विश्व विभिन्न क्षेत्रों मेंहुआ, जहां वे अलग-अलग नृजातीय समूहों के संपर्क में आये।इस संपर्क के कारण कई भाषाई प्रकियाएं घटित हुई जिसके कारणभारतीय डायस्पोरा समुदायों में भाषा की स्थिति विविधतापूर्ण बनी। कहीं इन भारतीय समुदायों ने पूर्वज भाषा को मिश्रित रूप में बनाए रखाऔर कहींपूर्णतया विलुप्त हो गया। इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय डायस्पोरा में विद्यमान गतिशील भाषिक प्रक्रियाओं और उससे उत्पन्न विभिन्न भाषा संरचनाओं को समझनेपाएंगे।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)**

इस पाठ्यक्रम केअध्ययन से विद्यार्थी:

- भारतीय समुद्रपारीय प्रवासन की भाषायी पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे।
- प्रवासनजनित भाषिक प्रक्रियाओं और इसके कारण पूर्वज भाषाओं में आये परिवर्तनों को समझसकेंगे।
- डायस्पोरा दशाओं में अलग-अलग नृजातीय समूहों बहुभाषिक स्थितियों में पारस्परिक संपर्क की भाषाओं के निर्माण प्रकिया को समझ सकेंगे।
- समुद्रपारीय देशों में पूर्वज भाषाओं में रचितलोकगीतों, गीत गवई, बैठका गीतों में संरक्षित मौखिक विरासत को समझकर उनका विश्लेषण कर सकेंगे।

**7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)**

| मॉड्यूल संख्या | विवरण | निर्धारित अवधि (घंटे में) | | | कुल घंटे | कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | व्याख्यान | ट्यूटोरियल | संवाद | | |
| मॉड्यूल1 | प्रवासी एवं डायस्पोरा: इतिहास, समाज एवं भाषा<br>• स्वभूमि एवं गंतव्य भूमि<br>• प्रवासन अवधारणा<br>• डायस्पोरा अवधारणा | 03 | इतिहास बोध 02 | | 05 | **25%** |
| मॉड्यूल2 | • प्रवासन का इतिहास<br>• भाषा और इतिहास | 02 | | | 02 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| मॉड्यूल3 | • बहुसांस्कृतिक समाज<br>• बहुसंस्कृतिवाद<br>• बहुल पहचान में भाषा | 02 | समाज की अवधारणा 01 | | 03 | |
| मॉड्यूल4 | • प्रवासी समाज की अवधारणा<br>• प्रवासी भारतवंशी समाज<br>• भारतीय डायस्पोरा समाज | 03 | | | 03 | |
| मॉड्यूल5 | • दोहरा प्रवासन: अवधारणा<br>• बहुल स्वभूमि | 02 | | | 02 | |
| | | | | | | |
| मॉड्यूल 6 | **भाषा की डायस्पोरिक प्रक्रियाएं**<br>• भाषा और संपर्क<br>• द्विभाषिकता और बहुभाषिकता<br>• भाषा अनुरक्षण और ह्रास<br>• कोड-मिश्रण, कोड परिवर्तन और भाषाद्वैत<br>**भाषा मिश्रण :**<br>• पिजिन<br>• क्रियोल<br>• कोईन बनावट | 06<br><br>06 | | 02<br><br>01 | 07<br><br>07 | **25%** |
| मॉड्यूल 7 | • कैरीबियाई क्षेत्र का परिचय<br>• कैरीबियाई देशों में भारतीयों का आगमन<br>• कैरीबियाई देशों का बहुभाषिक समाज<br>• कैरीबियाई देशों में प्रवासी भाषा | 03 | | | 03 | |
| मॉड्यूल 8 | • प्रशांत क्षेत्र का परिचय<br>• प्रशांत क्षेत्रमें भारतीय लोगों का आगमन<br>• प्रशांत क्षेत्र का बहुभाषिक समाज<br>• प्रशांत क्षेत्र में प्रवासी भाषा | 03 | | | 03 | |
| मॉड्यूल 9 | • हिंद महासागर क्षेत्र का परिचय<br>• हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीयों का आगमन<br>• हिंद महासागर क्षेत्र का बहुभाषिक समाज<br>• हिंद महासागर क्षेत्र के देशोंमें प्रवासी भाषा | 03 | | | 03 | **25%** |
| मॉड्यूल 10 | • अमेरिकी महाद्वीप में परिचय<br>• अमेरिकी महाद्वीप में भारतीयों का आगमन | 02 | | | 02 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | • अमेरिकी महाद्वीप का बहुभाषिक समाज | | | | | |
| मॉड्यूल 11 | • यूरोप में साहित्य परिचय<br>• यूरोप मेंभारतीयों के आगमन का इतिहास<br>• यूरोप में बहुभाषिक समाज | 02 | | | 02 | |
| मॉड्यूल 12 | • फ्रांसीसी भाषी (फ्रेंकोफोन) क्षेत्र का परिचय<br>• फ्रेंकोफोन क्षेत्र में भारतीयों का आगमन फ्रेंकोफोनक्षेत्रके बहुभाषिक समाज | 02 | | | 02 | |
| | | | | | | |
| मॉड्यूल 13 | भारतवंशी पूर्वज भाषा और अभिव्यक्ति<br>• मारीशस:समुद्रपारीय भाजपुरीहिंदी (ओ. बी.एच)<br>• फ़िजी: फिजी हिंदी<br>• दक्षिण अफ्रीका : कलकतिया बात नाताली हिंदी<br>• कैरिबियन देश: सरनामी: त्रिनिदाद-टोबैगो, गयाना, त्रिनिदादी भोजपुरी/ पुरनिया हिंदी<br>• भारतवंशी देशों में मानक हिंदी का संघर्ष | 05 | | 03 | 08 | **25%** |
| मॉड्यूल 14 | बहुभाषिक स्थितिएवं डायस्पोरा दशाओं में भारतीय भाषाओं/बोलियों की स्थिति मराठी, तेलुगू , तमिल, गुजराती भोजपुरी, बंगाली, मलयाली, पंजाबी | 05 | भारत में भाषा परिवार 01 | 01 | 07 | |
| **योग** | | **50** | **03** | **07** | **60** | **100** |

## 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:
## (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

| | |
|---|---|
| **अभिगम** | अन्तरक्रियात्मक अध्ययन प्रणाली |
| **विधियाँ** | स्वतः अध्ययनहेतु पाठ उपलब्ध करवाना, अवाधारणात्मक मानचित्र, सामूहिक चर्चा-परिचर्चा, चयनित विषय पर सेमिनार |
| **तकनीक** | अध्ययन सामग्री, पी.डी.एफ, पी.पी.टी, वीडियो (दृश्य-श्रव्य माध्यम) |
| **उपादान** | संवाद, कक्षाव्याखान(ऑफ़लाइन एवं ऑनलाइन) ब्लेंडेड मोड |

## 9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

**(Course Learning Outcome Matrix)**

**पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)**

| **पाठ्यक्रम लक्ष्य** | लक्ष्य 1 | लक्ष्य 2 | लक्ष्य 3 |
|---|---|---|---|
| पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति | अनुशासनिक समझ | बहुभाषिक समझ | विश्लेषणात्मक क्षमता |

## 10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

### क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

| **आतंरिक मूल्यांकन (25%)** | | | | | **सत्रांत परीक्षा(75%)** |
|---|---|---|---|---|---|
| घटक | कक्षा में सतत मूल्यांकन | उपस्थिति | सेमिनार* | सत्रीय-पत्र# | |
| निर्धारित अंक | 05 | 05 | 07 | 08 | |
| **पूर्णांक** | **25** | | | | **75** |

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

## 11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

**(Textbooks/Reference/Resources)**

| **क्र. सं.** | **पाठ्य-सामग्री** | **विवरण (APA प्रारूप में)** |
|---|---|---|
| 1 | आधार/पाठ्य ग्रंथ | • प्रसाद, विश्वनाथ (अनुवाद) ,1968, भाषा : ब्लूमफील्ड की लैंग्वेज, दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास.<br>• इंट्रोडक्टरी लिंग्विस्टिक्स, 1960, बनारस: मोतीलाल बनारसीदास।<br>• लाल बृज वी.,2006. द एनसाइक्लोपीडिया ऑफ द इंडियन डायस्पोरा, पेरिस एडीसंस डीडीयर, कुलालालंपुर,सिंगापुर.<br>• वर्मा, विमलेश कांति, सक्सैना भावना, 2015, सूरीनाम का सृजनात्मक हिंदी साहित्य, राधा कृष्ण , म.गां. अं. हिं. वि. वर्धा दिल्ली.<br>• वर्मा, विमलेश कांति, 2016. प्रवासी भारतीय हिंदी साहित्य, भारतीय ज्ञान पीठ , दिल्ली.<br>• सिंह सूरजभान् रोहरा सतीश कुमार, 1988 : हिंदी शिक्षण : अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, केंद्रीय हिंदी संस्थान् आगरा.<br>• जयराम एन. (संपा.) डायवर्सिटीज इन द इंडियन डायस्पोरा, नई दिल्ली: ऑक्सफ़ोर्ड प्रेस. |

| | | |
|---|---|---|
| | | • |
| 2 | संदर्भ-ग्रंथ | • जयराम, एन., 2004. द डायनॉमिक्स ऑफ़ लैंग्वेज इन इंडियन डायस्पोरा : द केस ऑफ़ भोजपुरी / हिंदी इन त्रिनिदाद, डायनॉमिक्स ऑफ ऑफ़ लैंग्वेज इन इंडियन डायस्पोरा, जयराम, एन. (सं.) द इंडियन डायस्पोरा: डायनॉमिक्स ऑफ माइग्रेशन, नई दिल्ली: सेज पब्लिकेशन।<br>• जैन, रविन्द्र के. 2004, रेस रिलेशन, ईथनिसिटी, क्लास एंड कल्चर : अ कम्पेरेटिव ऑफ़ इंडियन्स इन त्रिनिदाद एंड मलेशिया, जयराम,एन. (सं.) द इंडियन डायस्पोरा: डायनॉमिक्स ऑफ माइग्रेशन, नई दिल्ली: सेज पब्लिकेशन.<br>• मेस्त्री, राजेंद ,2007, लाइफ इन द डायस्पोरा, लाल बी.वी., रीव्स पी., और राय आर.(संपा.), द एनसॉयक्लोपीडिया ऑफ द इंडियन डायस्पोरा, नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.<br>• ईसेन्होलर, पैट्रिक, 2004. रजिस्टर लेवल ऑफ़ एथनो-नेशनल प्यूरिटी : द एथानिजेशनऑफ़ लैंग्वेज एंड कम्युनिटी इन मॉरिशस, वॉल्यूम 33, नई दिल्ली: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस.<br>• हूकूमसिंग, विनेशय, 2011. इंडिया– इन – डायस्पोरा: अ मॉरिशियन पर्सपेक्टिव, जयराम एन. (संपा.) डायवर्सिटीज इन द इंडियन डायस्पोरा, नई दिल्ली: ऑक्सफ़ोर्डप्रेस.<br>• चंद्रशेखर भट्ट एंड टी. एल. एस. भास्कर, 2011, लोकेलिटी एंड आइडेंटिटी इन द इंडियन डायस्पोरा : लिंगविस्टिक डायवर्सिटीज इन मॉरिशस.<br>• जोशी राम शरण, 2014, भारतीय डायस्पोरा : विविध आयाम, नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन. |
| 3 | ई-संसाधन | यूट्यूब वीडियो, वृत्तचित्र एवं फ़िल्में |
| 4 | अन्य | विभिन्न प्रवासी एवं डायस्पोरा देशों से भाषा प्रयोग के ऑडियो-वीडियो नमूने |

(अधिष्ठाता/विभागाध्यक्ष)